संसद सदस्यों द्वारा मंत्रालय को लिखे गए पत्रों की संख्या

309. **श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ भीम अफजल:** क्या **गृह** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 की अवधि के दौरान सांसदों द्वारा मंत्रालय को कितने पत्र लिखे गये और उनका वर्ष वार ब्यौरा क्या है;

(ख) उनमें से कितने पत्रों की पावती भेजी गई;

(ग) कितने पत्रों के अन्तिम उत्तर भेजे गये; और

(घ) मंत्रालय द्वारा क्रमशः सकारात्मक और नकारात्मक उत्तर वाले भेजे गये अन्तिम पत्रों के पृथक-पृथक आंकड़े क्या हैं?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी०एम० सईद): (क) से (घ): 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक की अवधि के दौरान संसद सदस्यों से प्राप्त पत्रों की संख्या, भेजे गए अन्तिम उत्तरों और लम्बित पड़े पत्रों की संख्या का एक विवरण उनके वर्ष-वार ब्यौरों सहित, राज्य सभा के पटल पर रखा जाता है **(नीचे देखिये)** नियम के अनुसार संसद सदस्यों से प्राप्त सभी पत्रों की पावती तत्काल भेज दी जाती है। प्रत्येक मामले में परिस्थितियों के आधार पर अन्तिम उत्तर भेजे जाते हैं और उन्हें सकारात्मक या नकारात्मक के रूप में वर्गीकृत करना संभव नहीं है।

विवरण

पहली अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 (वर्षवार) की अवधि के दौरान, संसद सदस्यों से प्राप्त पत्रों की संख्या, भेजे गए अन्तिम उत्तरों तथा लम्बित पत्रों की संख्या का ब्यौरा

क्रम सं०	वर्ष	पिछले से लम्बित पत्र	वर्ष वर्ष के दौरान प्राप्त पत्रों की संख्या	योग	भेजे गए अन्तिम उत्तर	लम्बित
1.	1.4.90 से 31.3.91	1885	6467	8352	6030	2322
2.	1.4.91 से 31.3.92	2322	7283	9605	7216	2389
3.	1.4.92 से 31.3.93	2389	8367	10756	9579	1177 (31.3.93 को)

देश की कुल आबादी

310. **श्री मोहम्मद अफज़ल उर्फ भीम अफजल:** क्या **गृह** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) ताजा जनगणना के अनुसार देश की कुल आबादी कितनी है;

(ख) इसमें से कुल कितने पुरूष और कुल कितने महिलायें हैं;

(ग) कुल आबादी का धार्मिकवार ब्यौरा क्या है; और

(घ) कुल आबादी का भाषावार ब्यौरा क्या है?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी०एम० सईद): (क) 1991 की जनगणना के अनुसार देश की कुल जनसंख्या 846, 302, 688 है।

(ख) 1991 की जनगणना के अनुसार देश में कुल 439,230,458 पुरूष और 407,072,230 महिलाएं हैं।

(ग) और (घ) 1991 की जनगणना के आधार पर धर्म और भाषा संबंधी डाटा अभी समेकित किया जाना है।

भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की संख्या

311. **प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा:** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले पांच वर्षों में कुल कितने पाकिस्तानी नागरिक वीजा लेकर भारत आए हैं;

(ख) ऐसे पाकिस्तानी नागरिकों की संख्या कितनी है जो अभी तक पाकिस्तान नहीं लौटे हैं; और

(ग) उन्हें स्वदेश वापस भेजने के संबंध में सरकार क्या कदम उठा रही है?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट): (क) और (ख) 31.10.93 तक प्राप्त

जानकारी के अनुसार पिछले पांच वर्षों के दौरान 7,94,110 पाकिस्तानी राष्ट्रिक भारत में आए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 18,123 पाकिस्तानी राष्ट्रिक भारत में वैध यात्रा दस्तावेजों सहित रह रहे हैं तथा 10,705 पाकिस्तानी राष्ट्रिक समयावधि के बीत जाने के बाद रह रहे/भूमिगत हो गए हैं।

(ग) राज्य सरकारों को विदेशी नागरिक अधिनियम/नियमों के अंतर्गत, अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तानी राष्ट्रिकों से निपटने हेतु आवश्यक शक्तियां प्रत्यायोजित की गई है। केन्द्र तथा राज्य दोनों ही सरकारें ऐसे व्यक्तियों को ढूंढ निकालने तथा उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने हेतु हर सम्भव प्रयास प्रदान कर रही है। राज्य सरकारों/संघ शासित क्षेत्र प्रशासनों को अनुदेश जारी किए गए हैं कि वे देश में अवैध रूप से रह रहे विदेशी राष्ट्रिकों को ढूंढ निकालें तथा निर्वासित कर दें तथा स्थानीय जनता को समस्या की व्यापकता तथा गम्भीरता के बारे में सचेत करें।

Warning by Central Intelligence Agencies

312. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the Central Intelligence Agencies have warned Government of possible strikes by Pakistani trained militants in New Delhi and Bombay following reports that a large number of them have infiltrated into India;

(b) if so, the intelligence forces have stated that after interrogation of some top militant leaders and foreign nationals nabbed by security forces revealed that Pakistani ISI had decided to send in trained militants from coastal borders of Gujarat and deserts of Rajasthan;

(c) if so, whether the ISI is trying to send in armed men and weapons through these circuits in view of the heavy snow of high mountains in the Kashmir Valley;

(d) whether the recent arrest of a large number of ISI men and other foreign nationals from various parts of the country including Bombay, Delhi, U.P. and Rajasthan were clear indicators of nexus between some overground and underground organisations; and

(e) if so, what action Government propose to take to deal with the situation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI RAJESH PILOT): (a) to (c) yes, the Intelligence Agencies did share such general information about possible designs of Pak motivated militants.

(d) The recent arrest of a large number of ISI trained men in different parts of the country clearly brought out the nexus between some overground organisations with the under ground organisations of the smugglers.

(e) Government is alive to the situation and are taking all necessary steps in this regard which include gearing up of intelligence machinery, coordinated action by Central and State agencies including intelligence sharing, deployment of para-military forces as well as intensified patrolling in vulnerable areas.

Insurgent activities in Assam

313. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Assam Chief Minister has held the Centre responsible for the sudden spurt in insurgent activities in the State;

(b) if so, whether the main reasons for increase in the terrorism in the North-east is due to the withdrawal of para-military forces from 56 companies to just a single company;

(c) if so, what is the number of batallions/companies at present in the State;

(d) whether the activities of extremists and the picture of the State of insurgency has been grave and insurgent groups particularly in trouble torn Nagaland are very severe;